कथक नृत्य विषय

सत्र 2012 – 13

सैद्धांतिक एम.ए. पूर्वार्द्ध (कथक)

प्रश्नपत्र प्रथम (प्रथम सेमेस्टर)

पूर्णांक – 85
न्यूनांक – 28

इकाई 1. निम्नलिखित दक्षिण पूर्वी एशियाई नृत्यों का संक्षिप्त परिचय–
बालीनीज एवं थाई
दक्षिण पूर्वी एशियाई नृत्यों पर भारतीय नृत्यकला का प्रभाव

- बैले की उत्पत्ति, इतिहास व विकास
- आधुनिक नृत्य का विकास – नृत्यनाटिका, संगीतिका

इकाई 2.

- करण, अंगहार, रेचक, पिण्डबन्ध, स्थान
- हस्ताभिनय : दशावतार हस्त, जाति हस्त, बांधव हस्त

इकाई 3. रस का स्वरुप, भाव, विभाव, अनुभाव, संचारी भाव, रसो की संख्या, रसों के प्रकार

- नायक भेद

इकाई 4.

- ताल शब्द की व्युत्पत्ति
- ताल के दश प्राण
- लय प्रस्तार – विभिन्न लयकारियों को लिखने का अभ्यास।

इकाई 5. निम्नलिखित तालों में बोलों को लिपिबद्ध करना–
धमार / रुपक, पंचम सवारी / शिखर मत्त ताल / त्रिताल

S. Har
(DR. S. Harmalkar)
18.7.17

S. Khanwalkar
Vijaya Sharma
S. Har 05/3/13
05/3/2013
S. Har S. Khanwalkar

कथक नृत्य

सत्र 2012 – 13

सैद्धांतिक एम.ए. पूर्वार्द्ध (कथक)

प्रश्नपत्र द्वितीय (प्रथम सेमेस्टर)

पूर्णांक – 85
न्यूनांक – 28

इकाई 1. भारतीय नृत्यकला का इतिहास।
प्रागैतिहासिक काल, वैदिक काल, रामायण काल, महाभारत काल, जैन व बौद्ध धर्म के अभ्युदय का काल।

इकाई 2. भारत की विभिन्न शास्त्रीय नृत्य शैलियों का अध्ययन– कथक, कथकली, मणिपुरी, भरतनाट्यम, कुचिपुड़ी, ओड़िसी सत्रिय एवं छाऊ नृत्य का संक्षिप्त परिचय।

इकाई 3. नृत्यकला संबंधी प्राचीन ग्रंथों की जानकारी।
अभिनय दर्पण एवं संगीत रत्नाकर का नृत्याध्याय।
नाट्यशास्त्र की विषय वस्तु का अध्ययन।

इकाई 4. नवाब वाजिद अली शाह एवं राजा चक्रधर सिंह का कथक के विकास में योगदान।
राजा चक्रधर सिंह द्वारा रचित ग्रन्थों का परिचय।

इकाई 5. साहित्य एवं नृत्यकला का अन्य ललित कलाओं से संबंध।
~~नृत्य में गायन~~ – नृत्य की संस्थागत शिक्षण पद्धति एवं गुरु शिष्य परम्परा का तुलनात्मक अध्ययन।

सत्र 2012 – 13

एम.ए. पूर्वार्द्ध (कथक)

प्रथम प्रश्नपत्र प्रायोगिक (प्रथम सेमेस्टर)

पूर्णांक – 85
न्यूनांक – 28

ताल नर्तन

इकाई 1. तीन ताल में सम्पूर्ण नृत्य प्रदर्शन की विशेष क्षमता

इकाई 2. निम्नलिखित अप्रचलित तालों में सें किसी एक ताल में सम्पूर्ण नर्तन–
पंचम सवारी, रास, अष्टमंगल

इकाई 3. क्रम लय, तत्कार के पल्टे

इकाई 4. द्रुत गति में पैरों की तैयारी

इकाई 5. उपरोक्त वर्णित सभी तालों का तत्कार सहित परिचय

(DR. S. Karmalkar)
18.7.17

S. Khanwalkar Vijaya Sharma 05/3/2013 S. Nair 05/3/13 S. Khanwalkar

सत्र 2012 – 13

एम.ए. पूर्वाद्ध (कथक)

प्रायोगिक द्वितीय (प्रथम सेमेस्टर)

पूर्णांक – 85

न्यूनांक – 28

अभिनय एवं नृत्त व नृत्य संरचना

इकाई 1. परिष्कृत प्रकार की गते या गत विकास
घूंघट के प्रकार, रुखसार, आंचल, मटकी, मुरली, छेड़छाड़ की गत

इकाई 2. निम्न में से किसी एक कथानक पर गतभाव–
द्रौपदी चीरहरण, जटायू मोक्ष, कालिया दमन, गोवर्धन धारण

इकाई 3. गणेश अथवा शिव स्तुति / वंदना पर भाव प्रदर्शन
दादरा या कहरवां पर आधारित गीत पर भाव प्रदर्शन

इकाई 4. परीक्षक द्वारा पूछे गए किसी अपरिचित बोल की पढ़न्त व उसे प्रदर्शित करने की क्षमता

इकाई 5. अष्टनायिका पर भाव प्रदर्शन (कम से कम चार)

(DR. S. Harmalkar)
18.7.17

S. Khanwale. Vijaya Sharma
05/3/2013
05/3/13
S. Khanwale